बिहार विधान सभा वादवृत्त ।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य-विवरण ।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा सदन में बुधवार, तिथि २५ अप्रील १९५६ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर ।

SHORT NOTICE QUESTIONS AND ANSWERS.

नदी किनारे का पक्का बांध ।

४५६ । श्री शिव भजन सिंह—क्या मंत्री, सिंचाई विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि जहानाबाद शहर के वार्ड नं० १, वार्ड नं० ४ तथा ५ के नदी के किनारे का मकान दरधा तथा यमुना नदी की धारा से कटता जा रहा है और बहुत से मकान कट कर नदी के गर्भ में चले गये हैं;

(२) क्या यह बात सही है कि नदी के कटाव के कारण वार्ड नं० ४ से होकर शहर से पूरब की ओर स्थानीय गांधी स्मारक उच्च विद्यालय तक जो सड़क गयी थी, नदी के अन्दर चली गयी है;

(३) क्या यह बात सही है कि जहानाबाद के मलहचक मुहल्ले के अन्तर्गत नदी के किनारे अवस्थित पुराने मन्दिर का कुछ भाग नदी के गर्भ में चला गया है;

(४) क्या यह बात सही है कि यदि नदी के किनारे को शीघ्र पक्का नहीं बनाया गया तो बहुत से मकान तथा रास्ते नदी में चले जायंगे;

(५) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं; तो सरकार नदी के किनारे जो धारा से कटता जा रहा है, उसे पक्का एमबैंकमेंट बनाने का विचार करती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रामचरित्र सिंह—(१) दरधा नदी जो जहानाबाद के वार्ड नं० १, ४, और ५ के चारों ओर होकर बहती है अपने किनारों को बाढ़ के समय धीरे-धीरे काटती जा रही है । नदी की इस क्रिया से ५० साल के अन्दर कुछ छोटे-छोटे मकान जो नदी के बिलकुल किनारे अवस्थित थे, दह गये हैं ।

(२) उक्त कच्ची सड़क का कुछ भाग दरधा तथा यमुना नदी की लगातार बाढ़ से धीरे-धीरे करीब आधी शताब्दी में दह गया है ।

(३) यह मन्दिर दरधा नदी के बिलकुल किनारे पर अवस्थित है और नदी का कटाव मन्दिर के चबुतरे तक पहुँच रहा है ।

(४) उत्तर हां है ।

(५) अभी तक हुई जांच-पड़ताल से पता चलता है कि रक्षात्मक बांध उतना उपयोगी सिद्ध नहीं होगा जितना कि इसमें खर्च लगेगा । फिर भी जांच-पड़ताल का कार्य चालू है और यदि निधि पूर्ण रह सकी तथा योजना प्राद्योगिक दृष्टिकोण से का न्वित करने योग्य सिद्ध हुई, तो सरकार ईस काम को करवाने का विचार करेगी ।

DETAILED PROJECT WITH REGARD TO RIVER BIHUL.

*2206. Shri YOGESHWAR GHOSH : Will the Minister incharge Irrigation Department be pleased to state—

(1) whether it is a fact that the Minister incharge had stated in reply to starred question no. 170 answered on 16th September 1955 that the Chief Engineer had ordered the S. E. and E. E. concerned to submit the detailed project with regard to river Bihul; P.-S. Laukaha, district Darbhanga;

(2) if so, whether the detailed project has been submitted before the Chief Engineer; if not, why ?

(3) the total expenditure and the total commanded area to be irrigated ?

श्री राम चरित्र सिंह—(१) उत्तर हां है।

(२) उत्तर ना है। इस विषय में माननीय सदस्य का ध्यान ६ अप्रैल १९५६ को दिए गए प्रश्न संख्या १९२४ के उत्तर की ओर आकर्षित किया जाता है।

(३) जब तक योजना बन नहीं जाती कुछ भी आंकड़े देना कठिन है।

Shri YOGESHWAR GHOSH : Sir, I want to know, what step the Department has taken for submitting the detailed project since the last starred question was put ? Whether any of the officers of the Department has gone to the spot and inspected it to collect the necessary details ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : Details are not prepared on the spot. Officers inspect the site and then submit their report for the scrutiny of the superior officers, and then plans and estimates are prepared. If the superior officers find any defect, they send it back for resubmission after clarification of the defects.

Shri YOGESHWAR GHOSH : How much time is expected to take ? When there is no spot enquiry, I want to know when the detailed project is likely to be submitted ?

Shri RAMCHARITRA SINHA : It is not possible to give the exact time. The hon'ble member must know that those who work in the Department are experts in the particular science.

नहर योजना।

*२२०७। श्री भगवती साद सिंह—क्या मंत्री, सिचाई विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) गंडक नदी से निकलने वाली नहरों की योजना में कहां तक प्रगति हुई है और दाहिने किनारेवाली नहर कब से काम लगेगा;